

तार ४० प्रतिशत, ग्रीष्मकाल १५ प्रतिशत
ल एवं काइट्स और साइक्लोन का ८ प्रतिशत है।

इल्लीय तापन क्षमता (Global Warming Potential)
उस गृह गैसों की भूमध्याह्नीय तापन की क्षमता का यूं कहें कि उसका की
करने की क्षमता अलग-अलग होती है, वह गैसों की गस्तावनिक
विकिर करता है। कार्बन डाइ ऑक्साइट की भूमध्याह्नीय तापन की
काइट्स और साइक्लोन का २८० है, लेकिन कार्बन डाइ ऑक्साइट की
करने के कारण वह सबसे महत्वपूर्ण हरित गृह गैस भारी जाती है
करने का ज्यान हमके उत्तरजीव को कम करने पर है। कार्बन चक्र

जारी रखना का विकास जटिलता के लिए ५५, जो वायुमण्डल का
यह पर्यावरण विभाग जटिलता के विकास विभाग का एक भाग है। इस प्रकार वायु
इसके लालगड़ीन (चुनौती वाला) वाला हिस्सा। इस प्रकार वायु
की स्थाई रूप से वीर प्रकृतिक तरीके से देखा जाना चाहिए।

विष्णवक तापन के प्रभाव (Effects of Global Warming)
विष्णवक तापन के विषय संभावित प्रभाव हो सकते हैं।
ग्लोशियरी का प्रभाव (Thawing of Glaciers)
में ग्लोशियर पिघलने लगते हैं और उनका जल जल जाता है।

सूर्य

कुछ सौर विकिरण धरती
की सतह से परावर्तित होकर
वायुमण्डल में चला
जाता है

वायुमण्डल

धरती

सौर विकिरण का ज्यातर भाग धरती की सतह
द्वारा जयशोणित कर दिया जाता है जो इसे
गर्म करता है।

धरती गरम होकर अपनी गरम
सतह से अवरक्त विकिरण
उत्सर्जित करती है